No. of Printed Pages : 4

BHMCT–105

B. A. (HONOURS) (PERFORMING ARTS) HINDUSTANI MUSIC (BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2025

BHMCT-105 : STUDY OF FORMS, INSTRUMENTS AND TRADITIONS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Please strictly adhere to the word limits.*

Note : *Attempt any* ***ten*** *questions within* ***500*** *words each.* 10×10=100

1. Describe Rupakalapti and its parts.
2. Explain *five* merits and *five* demerits of a Vaggeyakar.
3. Describe *four* Dhatus of Prabandhas and *five* types of Prabandhas.

4. Discuss in detail the contents of the treatise 'Raga-Tarangini'.
5. Describe the style of singing in Kirana Gharana along with its history.
6. Write about the achievements of any *two* artists of Gwalior Gharana.
7. Elaborate on the history and evolution of Etawah Gharana of Sitar.
8. Describe Rudra Veena and its parts.
9. Throw light on the importance of 'Naad Brahma' in Indian Philosophy.
10. Give a brief detail of Raga Malkauns and write the notation of its 'Sargam Geet'.
11. Give a brief detail of Raga Bhimpalasi and write the notation of its 'Sargam Geet'.
12. Give a brief introduction to Chautaal and Deepchandi Taal and write down the Thekas.

BHMCT–105

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी.ए.पी.एफ.एच.एम.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.एम.सी.टी.-105 : हिन्दुस्तानी संगीत की गान विधायें, वाद्यों एवं परम्पराओं का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कृपया अपना उत्तर शब्द-सीमा के अन्दर लिखें।*

नोट : *किन्हीं* ***दस*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***500*** *शब्दों में दीजिए।*

10×10=100

1. 'रूपकालाप्ति' तथा उसके विभिन्न अंगों की व्याख्या कीजिए।
2. वाग्गेयकार के किन्हीं **पाँच** गुणों और **पाँच** दोषों के बारे में व्याख्या कीजिए।
3. 'प्रबंध' के **चार** धातु और **पाँच** प्रकारों के बारे में विस्तृत विवरण दीजिए।

4. 'रागतरंगिणी' ग्रन्थ की सामग्री को लेकर विस्तृत चर्चा कीजिए।
5. किराना घराने की गायन शैली पर प्रकाश डालते हुए इसके इतिहास का विवरण दीजिए।
6. ग्वालियर घराने के किन्हीं **दो** कलाकारों की उपलब्धियों के बारे में बताइए।
7. सितार वादन के इटावा घराने के इतिहास और विकास का विशद विवरण दीजिए।
8. रुद्र वीणा के विभिन्न अंगों के बारे में वर्णन कीजिए।
9. भारतीय दर्शन में नाद ब्रह्म के महत्व पर प्रकाश डालिये।
10. राग मालकौंस का संक्षिप्त विवरण दीजिए तथा उसके सरगम गीत की स्वरलिपि लिखिये।
11. राग भीमपलासी का संक्षिप्त विवरण दीजिए तथा उसके 'सरगम गीत' की स्वरलिपि लिखिये।
12. चौताल और दीपचन्दी ताल का संक्षिप्त परिचय देते हुए इन दोनों तालों का ठेका लिखिये।

× × × × ×